किआरा की फिल्म 'शेरशाह' को पूरे हुए चार साल

शहीद कैप्टन विक्रम बत्रा की जिंदगी पर आधारित फिल्म शेरशाह आज 12 अगस्त के ही दिन 2021 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. इसमें सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी ने मुख्य भूमिका निभाई थी. इस अवसर पर अभिनेता ने अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर करते हुए शहीद विक्रम बत्रा के प्रति सम्मान जताया है.

बॉलीवुड अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट की स्टोरी पर दो पोस्ट शेयर किए हैं, जिसमें उन्होंने 'शेरशाह' फिल्म के चार साल पूरे होने पर संदेश भी लिखा है. पहली स्टोरी में अभिनेता ने धर्मा प्रोडक्शन द्वारा शेयर किए गए वीडियो को लगाया है, जो %शेरशाह% फिल्म का क्लिप है. इसके कैप्शन में प्रोडक्शन हाउस ने लिखा, 'एक बहादुर सिपाही की सच्ची कहानी, जिसने देश के लिए लड़ाई लड़ी और पीढ़ियों तक अपनी छाप छोड़ी. %शेरशाह% के हिट गानें और शानदार डायलॉग्स को चार साल पूरे हो गए.'दूसरी स्टोरी में सिद्धार्थ मल्होत्रा ने शेरशाह फिल्म का पोस्टर शेयर किया है, जिसमें उन्हें फौजी के ड्रेस में देखा जा सकता है. इसके साथ ही ग्राफिक्स पर लिखा है शेरशाहके चार साल. इसके अलावा अभिनेता ने कैप्शन में लिखा, 'गर्व से अभिभूत, प्यार भरी यादें 4 साल बाद भी उतनी ही मजबूत हैं. कैप्टन विक्रम बत्रा की भूमिका निभाना मेरे लिए हमेशा सबसे सम्मान की बात रहेगी.

सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी की फिल्म शेहशाह 12 अगस्त 2021 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. विष्णु वर्धन के निर्देशन में बनी ये फिल्म दर्शकों को बेहद पसंद आई थी.

वन – फ़ोर्स ऑफ़ द फॉरेस्ट में हुई मनीष पॉल की एंट्री

बालाजी टेलीफिल्म्स और टीवीएफ मोशन पिक्चर्स प्रस्तुत फिल्म वन – फ़ोर्स ऑफ़ द फॉरेस्ट में मनीष पॉल की एंट्री हो गयी है.

सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया की शानदार स्टारकास्ट में शामिल होकर, मनीष फिल्म वन – फ़ोर्स ऑफ़ द फॉरेस्ट में नया रंग भरने वाले हैं. दीपक मिश्रा और अरुणाभ कुमार द्वारा निर्देशित तथा एकता आर. कपूर, शोभा कपूर और अरुणाभ कुमार द्वारा निर्मित यह फिल्म 15 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

अपनी दमदार स्क्रीन प्रेज़ेंस, बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग और सहजता से ह्यूमर एवं इमोशन के बीच स्विच करने की कला के लिए मशहूर मनीष पॉल %वन – फ़ोर्स ऑफ़ द फॉरेस्ट%में एक बेहद इंटेंस और लेयरड किरदार निभा रहे हैं,जो उनके चिर-परिचित हल्के-फुल्के अंदाज़ से बिल्कुल अलग है.

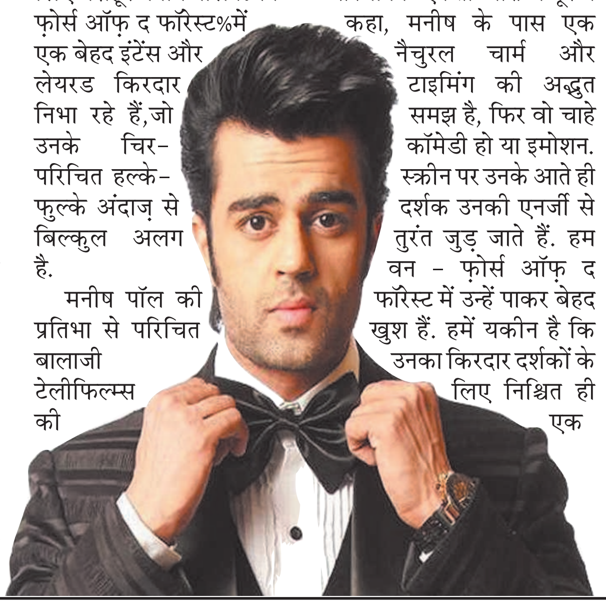

मनीष पॉल की प्रतिभा से परिचित बालाजी टेलीफिल्म्स की संस्थापक एकता आर. कपूर ने कहा, मनीष के पास एक नैचुरल चार्म और टाइमिंग की अद्भुत समझ है, फिर वो चाहे कॉमेडी हो या इमोशन. स्क्रीन पर उनके आते ही दर्शक उनकी एनर्जी से तुरंत जुड़ जाते हैं. हम वन – फ़ोर्स ऑफ़ द फॉरेस्ट में उन्हें पाकर बेहद खुश हैं. हमें यकीन है कि उनका किरदार दर्शकों के लिए निश्चित ही एक सरप्राइज़ होगा.

एकता कपूर के अलावा टीवीएफ के लेखक और निर्माता अरुणाभ कुमार ने भी मनीष पॉल की प्रशंसा करते हुए कहा, हम मनीष पॉल के साथ कई प्रोजेक्ट्स पर बातचीत कर रहे थे और खुशी है कि हम शुरुआत उस प्रोजेक्ट से कर रहे हैं, जो हमारे दिल के बहुत करीब है. इस रोल के लिए हमारी पहली और एकमात्र पसंद मनीष थे, और एकता जानती थीं कि जो वह स्क्रीन पर ला सकते हैं, वह कोई और नहीं कर सकता. टीवीएफ उनके साथ कुछ और प्रोजेक्ट्स पर भी बात कर रहा है और हम साथ मिलकर यादगार किरदार बनाने की उम्मीद रखते हैं.

सनम मेरे हमराज़ वास्तविक, रोमांच से भरपूर शो है : काजल शर्मा

अभिनेत्री काजल शर्मा का कहना है कि शो सनम मेरे हमराज़ एक अनोखा टेलीविजन शो है, जो वास्तविक, रोमांच से भरपूर है.

दंगल टीवी ने अपना नया शो सनम मेरे हमराज़ को लॉन्च किया है. यह सीरीज़ विधान (नितिन गोस्वामी) और विधि (काजल शर्मा) के जीवन में अप्रत्याशित मोड़ों और भावनात्मक उतार-चढ़ावों से भरी एक अनूठी कहानी से दर्शकों के मनोरंजन का वादा करती है.

शो सनम मेरे हमराज़ में विधि की भूमिका निभा रहीं काजल शर्मा ने कहा, यह एक अनोखा टेलीविजन शो है, जो वास्तविक, रोमांच से भरपूर है. इसके चौंकाने वाले मोड़ एपिसोड खत्म होने के बाद भी आपके दिल और दिमाग को कहानी के रहस्य से जोड़े रहेंगे . उन्होंने कहा,कहानी का भावनात्मक ताना-बाना प्यार,तकरार और विश्वासघात से बुनता है जो आपके साथ रहता है. नितिन के साथ काम करना रचनात्मक रूप से बहुत संतोषजनक रहा है, और मैं दंगल टीवी की आभारी हूँ कि उन्होंने इस असाधारण कहानी का मुझे हिस्सा बनने का मौका दिया.

विधान की भूमिका निभा रहे कलाकार नितिन गोस्वामी ने कहा, सनम मेरे हमराज़ एक बेहतरीन कहानी है,जो अप्रत्याशित और भावनात्मक है. इसके ट्विस्ट आपको हर मोड़ पर अनुमान लगाने के लिए मजबूर करेंगे. हर सीन के साथ भावनात्मक दांव बढ़ते जाते हैं, जो सस्पेंस को भावना के साथ जोड़ते हैं. काजल के साथ काम करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है, और मैं दंगल टीवी का बहुत आभारी हूं कि उन्होंने हमें इस तरह की शक्तिशाली कहानी के साथ दर्शकों तक पहुंचाने के लिए चुना.

प्रियंका चोपड़ा के जेठ का एक्स गर्लफ्रेंड संग हुआ रियूनियन

अमेरिकन पॉप बैंड जोनस ब्रदर्स के 20 साल पूरे होने की खुशी में जोनस 20⁻ ग्रीटिंग्स फ्रॉम योर होमटाउन' टूर का आयोजन किया जा रहा है. अमेरिका में हो रहे इस टूर के पहले ही शो ने फैंस को जबरदस्त सरप्राइज दिया.

न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में हुए इस कार्यक्रम में जो जोनस की पूर्व प्रेमिका और फेमस सिंगर डेमी लोवाटो की एंट्री ने सभी को चौंका दिया. ये वो ही जोड़ी है जिसने साल 2008 की डिज्नी फिल्म 'कैंप रॉक' में साथ काम किया था और अब वर्षों बाद एक ही मंच पर साथ नजर आई.इस स्पेशल परफॉर्मेंस में डेमी और जो ने गॉटा फाइंड यू, दिस इज मी, वुडन्ट चेंज अ थिंग जैसे क्लासिक गाने गाकर न सिर्फ मंच पर जादू बिखेरा बल्कि दर्शकों को भी भावुक कर दिया. मंच पर निक जोनस ने फिल्म के दिनों को याद करते हुए बताया कि कैसे उनके पिता की कोशिशों से उन्हें भी इस फिल्म का हिस्सा बनने का मौका मिला. शो में निक ने कहा, अब वक्त है कि हम सब मिलकर एक बार फिर कैंप रॉक की यादों में खो जाएं.

करीब 52,000 दर्शकों से भरे स्टेडियम में जैसे ही डेमी ने कदम रखा, भीड़ की तालियों से माहौल गूंज उठा. जो और डेमी के स्टेज पर साथ दिखने से न सिर्फ उनके फैंस को नॉस्टैल्जिया हुआ, बल्कि सोशल मीडिया पर भी इस परफॉर्मेंस की तस्वीरें और वीडियोज तेजी से वायरल हो गईं.

नन्ही कली की बच्चियों ने तापसी का जताया आभार

नन्ही कली प्रोजेक्ट की बच्चियों के साथ उनके परिवार ने अभिनेत्री तापसी पन्नू का आभार जताया है. तापसी पन्नू सिर्फ देश की बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक नहीं हैं, बल्कि एक समर्पित समाजसेवी भी हैं. फिल्मों में अपने शानदार काम से उन्होंने देश की टॉप एक्ट्रेसेस में जगह बनाई है. ऑफ-स्क्रीन भी वो उतनी ही प्रेरणादायक हैं, अपनी बेबाक आवाज़ से अहम मुद्दों पर बात करती हैं और लोगों से दिल से जुड़ती हैं. लड़कियों की शिक्षा की मजबूत समर्थक तापसी, नन्ही कली प्रोजेक्ट के जरिए 100 लड़कियों की पढ़ाई का खर्च उठाती हैं. तापसी की मेहनत ने इन लड़कियों को बड़ा सपना देखने और मेहनत करने का आत्मविश्वास दिया है. हाल ही में, लड़कियों ने दिल से शुक्रिया कहा और बताया कि उनकी मदद से उन्हें इंजीनियरिंग जैसी पढ़ाई करने और पढ़ाई पूरी करने की प्रेरणा मिली है. माता-पिता ने भी तापसी पन्नू की तारीफ की और कहा कि उनकी कोशिशों से लड़कियों में आत्मनिर्भर बनने की सोच जगी है.

महेश बाबू प्रस्तुत, वेंकटेश माहा की राव बहादुर का फर्स्ट पोस्टर रिलीज

महेश बाबू प्रस्तुत निर्देशक वेंकटेश माहा की फिल्म राव बहादुर का फर्स्ट पोस्टर रिलीज हो गया है.

राव बहादुर के पहले लुक में सत्यम देव को एक दमदार और अलग अंदाज में दिखाया गया है. महेश बाबू के प्रस्तुतिकरण में बनी इस फिल्म के निर्देशक वेंकटेश माहा हैं.यह फिल्म जीएमबी एंटरटेनमेंट, ए+एस मूवीज, स्रीचक्रा एंटरटेनमेंट्स और महायना मोशन पिक्चर्स के सहयोग से बनी है.मेकर्स ने एक जबरदस्त फर्स्ट लुक पोस्टर के साथ फिल्म का नाम भी बताया है. महेश बाबू प्रस्तुत वेंकटेश माहा की फिल्म राव बहादुर का यह पोस्टर सत्यम देव की पहली बार देखी गई अलग और दमदार तस्वीर दिखाता है, जिसमें कई ऐसे खास पहलू हैं जो सबको उत्साहित कर देंगे. फिल्म का टैगलाइन है शक एक शैतान है .

राव बहादुर का पहला पोस्टर सच में कुछ अलग है, जो दर्शकों ने काफी समय से नहीं देखा. इसमें सत्यम देव को एक शानदार और खास पोशाक में दिखाया गया है, जो पूरी तरह शाही लगती है. पोस्टर में मोर के पंख, बेल और छोटे-छोटे आकार भी शामिल हैं. सत्यम देव इस फिल्म में अपने जबरदस्त ट्रांसफॉर्मेशन में नजर आ रहे हैं. उन्होंने अपने रोल के बारे में बात करते हुए कहा है, एक अभिनेता के तौर पर, आप ऐसी फिल्म का सपना देखते हैं जैसे राव बहादुर जो बड़ी, चुनौतीपूर्ण और यादगार हो.उन्होंने कहा, हर सुबह 5 घंटे मेकअप में बिताने से मुझे अपनी पूरी तरह से इस किरदार में खो जाने का मौका मिला.

सुम्बुल तौकीर को बेहतरीन अभिनेत्री मानते हैं वरूण बडोला

बॉलीवुड के जानेमाने अभिनेता वरूण बडोला अभिनेत्री सुम्बुल तौकीर को बेहतरीन अभिनेत्री मानते हैं. सोनी सब अपने अगले पारिवारिक इमोशनल ड्रामा, इत्ती सी खुशी के लिए तैयार है. यह शो रोजमर्रा के संघर्ष, अनकहे बलिदानों और बिना शोर के जीतने वाले प्रेम और साहस की कहानी को बेहद सच्चाई और कोमलता से दर्शाता है.इस शो में, वरुण बडोला, अन्विता (सुम्बुल तौकीर) और उसके भाई-बहनों के पिता, सुहास दिवेकर की भूमिका में नजर आयेगे , जो शराब का आदी हैं और भावनात्मक रूप से अलग-थलग हैं.

वरूण बडोला ने संवाद एजेंसी 'यूनीवार्ता' साथ विशेष बातचीत में शो इत्ती सी खुशी में सुम्बुल तौकीर के साथ काम करने के बारे में बताया. वरूण बडोला ने बताया आज के दौर में टीवी पर जो नवोदित कलाकार हैं, उनमें काफी समझ होती है. सुम्बुल बेहतरीन अभिनेत्री है. चार पांच साल पहले सुम्बुल ने शो इमली में बेहतरीन काम किया था. उस समय शायद सुम्बुल 16-17 वर्ष की रही होगी. कुछ चीजें ऐसी होती है जो उम्र के साथ ही आती है, उसको पहले हासिल नहीं किया जा सकता है.जिस तरह से सुम्बुल

ग्रो कर रही है, वह आगे चलकर बहुत बेहतरीन अभिनेत्री बनेगी. ऐसा नहीं है कि सुम्बुल अभी अच्छी अभिनेत्री नहीं है. आज सुम्बुल की जो उम्र है उसके हिसाब से काफी अच्छा काम कर रही है.

मुनाफे का सुपर फॉर्मूला है किनोवा की खेती

आज जब जलवायु परिवर्तन और बढ़ती आबादी देश के सामने खाद्य सुरक्षा के साथ पोषण भोजन की चुनौती पेश कर रही है, कृषि विशेषज्ञ ऐसी फसलों पर जोर दे रहे हैं जो विपरीत परिस्थितियों में भी बेहतर उत्पादन दे सकें.

इसी कड़ी में किनोवा एक ऐसी चमत्कारी फसल के रूप में उभरा है, जिसे सुपर फूडया सुपर ग्रेन का दर्जा प्राप्त है. कम लागत, न्यूनतम पानी की आवश्यकता और बंपर मुनाफे की क्षमता के कारण यह भारतीय किसानों के लिए एक बेहतरीन वैकल्पिक फसल बन सकती है. किनोवा, जिसे मदर ग्रेन भी कहा जाता है, वास्तव में चौलाई परिवार का सदस्य है.

सेहत का पावरहाउस है किनोवा – किनोवा को सुपरफूड कहे जाने का सबसे बड़ा कारण इसमें मौजूद पोषक तत्वों का भंडार है. इसमें गाय के दूध और अंडे से भी अधिक आयरन होता है. यह प्रोटीन का एक उत्कृष्ट स्रोत है, जो मांसपेशियों के विकास के लिए आवश्यक है. इसके अलावा, इसमें मैगनीज, फास्फोरस, मैग्नेशियम, कॉपर, जिंक, पोटेशियम और फोलेट जैसे खनिज प्रचुर मात्रा में होते हैं. यह विटामिन क्क1, क्क2, क्क6 का भी अच्छा स्रोत है. इसमें मौजूद फाइबर पाचन तंत्र को मजबूत रखता है, जबकि ओमेगा-3 फैटी एसिड हृदय स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है.

बालकनी में भी लगा सकते हैं सिंदूर का पौधा

सिंदूर भारत के लिए सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व रखता है. सिंदूर का पौधा लगाना आसान है और आप भी आसानी से इसे बालकनी में उगा सकते हैं.

बहुत आसान है सिंदूर उगाना – घर की बालकनी में अगर आप रंग और खुशबू दोनों चाहते हैं तो सिंदूर का पौधा आपके लिए बेहतरीन विकल्प हो सकता है. इस पौधे को Bi&a orellana नाम से मशहूर यह पौधा अपने लाल-नारंगी रंग के लिए जाना जाता है. यह पौधा धार्मिक और सजावटी दोनों तौर पर काफी लोकप्रिय है. अब इसे बड़े बगीचे की जरूरत नहीं और थोड़ी देखभाल के साथ ही यह पौधा बालकनी में भी आसानी से पनप सकता है.

कैसा चुनें गमला – सिंदूर के पौधे के लिए 12 से 16 इंच गहरा और चौड़ा गमला चुनना सबसे बेहतर माना जाता है. गमले के नीचे पानी निकासी के लिए छेद होना जरूरी है, जिससे अतिरिक्त पानी जमा न हो और जड़ें सड़ने से बचें.

कैसी होनी चाहिए मिट्टी – पौधे के लिए 50 फीसदी बगीचे की मिट्टी, 25 फीसदी गोबर की खाद या वर्मीकम्पोस्ट और 25 फीसदी बालू या पर्लाइट का मिश्रण तैयार करें. पौधा बीज से भी उगाया जा सकता है और नर्सरी से लाकर सीधे गमले में भी लगाया जा सकता है. बीज बोने से पहले उन्हें 12 घंटे पानी में भिगोना अंकुरण के लिए लाभकारी है.

देखभाल के नियम- सिंदूर के पौधे को प्रतिदिन 6 से 7 घंटे की सीधी धूप चाहिए. गर्मियों में रोज हल्का पानी दें, जबकि सर्दियों में 2ङ्क3 दिन के अंतराल पर ही पानी पर्याप्त है. हर महीने गोबर की खाद या वर्मीकम्पोस्ट डालने से पौधे की बढ़त और रंग दोनों में निखार आता है.

फूल, फल और सिंदूर – करीब 8 से 12 महीने में पौधे में फूल आना शुरू हो जाता है. फूलों के बाद बनने वाली फलियों में लाल-नारंगी पाउडर जैसा पदार्थ मिलता है और इसे ही सिंदूर कहा जाता है. यह न सिर्फ धार्मिक अनुष्ठानों में इस्तेमाल होता है बल्कि प्राकृतिक रंग के तौर पर भी काफी मशहूर है.

कीट और रोग से बचाव

पत्तियों पर धब्बे या फफूंद दिखाई दे तो नीम तेल के छिड़काव से पौधे को सुरक्षित रखा जा सकता है. सूखी पत्तियों की समय-समय पर छंटाई करने से पौधा ज्यादा स्वस्थ और झाड़ीदार बनता है. विशेषज्ञों के अनुसार, अगर पौधे को सर्दियों में ठंडी हवा से बचाकर रखा जाए और मिट्टी को समय-समय पर ढीला किया जाए, तो यह पौधा सालों तक हरियाली और रंग बिखेरता रहता है.

मछली का जल्दी बढ़ाना है वजन तो आज ही डालें ये खली

मौजूदा समय में किसान खेती के साथ-साथ बड़े स्तर पर मछली पालन भी कर रहे हैं. इससे किसानों की अच्छी आमदनी हो रही है. इसे बढ़ावा देने के लिए केंद्र और राज्य सरकारें भी कई योजनाएं चला रही हैं. लेकिन सवाल उठता है, जब तक किसानों के पास मछली पालन से जुड़ी जरूरी जानकारी नहीं होगी, वो सही तरह से मछली पालन नहीं कर पाएंगे. ऐसे में किसानों को मछली पालन में आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ सकता है.

महुआ खली खाद का करें प्रयोग- बात करें इस चमत्कारी खाद की तो वो महुआ खली हैं. इस खली का इस्तेमाल मौसमी तालाबों में मांसाहारी प्रजातियों और अन्य कीड़े-मकोड़ों को मारने के लिए किया जाता है. जिन तालाबों में हानिकारक मछलियां हों उन तालाबों में मछलियों को मारने के लिए 2000 से 2500 किलो प्रति हेक्टेयर की दर से महुआ खली का इस्तेमाल करें.

महुआ खली से बढ़ेगा जीरे का वजन- इससे बड़ी मछलियों को काफी फायदा होता है क्योंकि इससे मछलियों के वजन बढ़ने में भी मदद मिलती है. अगर तालाब से हानिकारक जीवों और छोटी मछलियों को नहीं हटाया जाए तो बड़ी मछलियों का जीरा ठीक से नहीं बढ़ पाएगा और मछली पालन में घाटा उठाना पड़ सकता है. साथ ही तालाब की सफाई ठीक से नहीं हो तो मछलियों का जीरा नहीं बढ़ पाएगा. इसके लिए महुआ खली का प्रयोग किया जाता है.

तेजी से बढ़ता है जीरे का वजन

इन सभी कामों को करने के बाद तालाब में नए जीरे को डालें, फिर तालाब में महुआ खली खाद को डालें . इससे जीरे के वजन में तेजी से बढ़ोतरी होती है . इसके अलावा मछलियों का साइज बढ़ाने के लिए आहार के रूप में चावलकी भूसी और सरसों की खली को बराबर मात्रा में मिला कर उसका इस्तेमाल कर सकते हैं .

अगस्त माह में करें इन सब्जियों की खेती

हमारे देश में अनाजों के साथ ही बागवानी फसलों की खेती भी खूब की जाती है. अगर आप भी किसान हैं और खेती से अच्छी कमाई करना चाहते हैं तो मौसम के अनुकूल खेती करनी होगी.अगस्त के महीने में कई राज्यों में जोरदार बारिश होती है इसलिए ऐसी फसलें उगाएं जो बारिश के लिए अनुकूल हो. इसके लिए हम आपको चार खास सब्जियों के नाम बता देते हैं जो किसान आसानी से लगा सकते हैं.

टमाटर- अगस्त के महीने में टमाटर की खेती की जा सकती है. इसे तैयार होने में 60-90 दिन का समय लगता है. इसे लगाने के लिए बीज और पौध दो तरीके होते हैं. खेतों की जुताई के बाद क्यारियां बना लीजिए और 20-25 सेमी की दूरी पर पौधे रोपते जाइए. हफ्ते में 3 बार की सिंचाई पर्याप्त है. अगर बरसात होती है तो हफ्ते में 1-2 बार से ज्यादा पानी ना दें. खाद की बात करें तो एक बार बुवाई से पहले मिट्टी में खाद मिला लें.˙.

लौकी- अक्टूबर-नवंबर के महीने में बाजार में बिकने वाली लौकी की बुवाई के लिए अगस्त का महीना अच्छा होता है. खेत की जुताई के बाद क्यारियां बनाएं. अब बांस और रस्सी के सहारे मचाननुमा स्ट्रक्चर बनाएं क्योंकि लौकी के पौधे बेलदार होते हैं जिनको बढ़ने के लिए पर्याप्त जगह चाहिए होती है. मचाननुमा स्ट्रक्चर बनाने से ये पौधे उसी में लिपट जाते हैं जिसके कारण फलों की तुड़ाई भी आसान हो जाती है.

बैंगन- बैंगन से बहुत सारे फूड आयटम बनाए जाते हैं इसलिए इसकी बाजार मांग खूब रहती है जो किसानों के लिए फायदेमंद है. बैंगन की खेती और देखभाल बिल्कुल टमाटर की तरह ही है. इसे भी तैयार होने में लगभग 3 महीने का समय लगता है. इसे बीज की बजाय नर्सरी से लाए अच्छी क्वालिटी के पौधों का चयन करना चाहिए.

गाजर- काफी फायदेमंद और उपयोगी गाजर की खेती भी अगस्त के महीने में की जा सकती है. आपको बता देते हैं कि गाजर एक कंद प्रजाति वाली सब्जी है जिसका फल मिट्टी के नीचे मिलता है. गाजर की बुवाई के लिए खेत की जुताई करें और कतारबद्ध तरीके से छोटी-छोटी मेड़ बना लें. दो मेड़ों के बीच की खाली जगह में 20-20 सेमी की दूरी पर बीज रोपें. मिट्टी सूखने से पहले सिंचाई कर दें.

कैसे पता करें कि फसल तैयार हो गई

आपको बता दें कि किसी भी सब्जी की फसल को पूरी तरह से पकने से पहले ही तोड़ लेना चाहिए नहीं तो वे जल्दी खराब हो जाते हैं . आप उनकी पत्तियां देख के पता कर सकते हैं कि फसल तैयार हुई है नहीं . टमाटर, लौकी और बैंगन के फलों को देखकर और छू कर पता कर सकते हैं कि फसल तैयार हुई है नहीं लेकिन गाजर की बात करें तो इनके पत्तों को देखें अगर पत्ते पीले पड़ने लगे तो एक किनारे एक गाजर को खोदकर निकालें, अगर फल परिपक्व हो गए हैं तो खुदाई कर सकते हैं .